

## जुदाई ने मार डाला-2

“ कहानी का पहला भाग : जुदाई ने मार डाला-1 वो मेरी गोद में गिर गई और बोली- प्लीज छोड़ो मुझे नहीं तो कोई देख लेगा तो बवाल हो जाएगा। मैंने कहा-... [\[Continue Reading\]](#) ... ”

Story By: satendra srivastava (satendra.srivastava)

Posted: Friday, May 16th, 2014

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [जुदाई ने मार डाला-2](#)

# जुदाई ने मार डाला-2

कहानी का पहला भाग : [जुदाई ने मार डाला-1](#)

वो मेरी गोद में गिर गई और बोली- प्लीज छोड़ो मुझे नहीं तो कोई देख लेगा तो बवाल हो जाएगा।

मैंने कहा- सुबह के साढ़े पाँच बज रहे हैं कुछ नहीं होगा।

और इतना कहकर उसे गोद में उठा लिया और चुम्बन करने लगा।

कुछ देर में वो भी मेरा साथ देने लगी।

अभी पाँच मिनट भी नहीं बीते थे कि बुआ मुझे नीचे बुलाने लगीं। मैंने शालू को दीर्घ चुम्बन किया और नीचे चला आया।

नीचे आने के बाद मैं नहा-धोकर तैयार हुआ और बाहर घूमने चला गया।

करीब आधे घंटे बाद वापस आया और सीधे बुआ के कमरे में चला गया। जैसे ही मैं वहाँ पहुँचा तो मैंने देखा कि शालू वहाँ पहले से ही थी और कपड़े बदल रही थी।

मैं तुरन्त अन्दर गया और दरवाजा बंद कर लिया।

जैसे ही उसने मुझे देखा वो अपने स्तनों को तौलिये से ढक कर मुझे बाहर जाने को कहने लगी।

लेकिन मैं आगे बढ़ा और बोला- प्लीज एक बार देखने दो..

और तौलिया छीन लिया।

मेरे ऐसा करते ही वो एकदम से मेरे गले लग गई और चुम्बन करने लगी।

मैं भी उसका साथ दे रहा था और साथ ही साथ उसके बालों और पीठ को भी सहला रहा

था। धीरे-धीरे मैं उसके स्तनों को भी पकड़ कर सहलाने लगा।

उसके स्पंजी स्तन दबाने में बड़ा मजा आ रहा था कि तभी उसने मेरा हाथ हटा दिया और बोली- प्लीज आप बाहर जाओ.. नहीं तो कोई आ जाएगा।

मैंने कहा- नहीं..

तो उसने मुझे कहा- ठीक है, मैं समझ गई कि तुम मुझसे नहीं मेरे जिस्म से प्यार करते हो। और इतना कहकर वो मुँह दूसरी तरफ करके रोने लगी।

उसकी इस बात से मुझे बहुत दुःख हुआ, मैंने बिस्तर पर से तौलिया उठाया और उसके पीछे के हिस्से को ढक कर मैं बाहर चला आया और कमरे के बाहर ही कुर्सी पर बैठ गया और उसके आने के इंतजार करने लगा।

करीब 20 मिनट बाद भी जब वो बाहर नहीं आई तो मैंने धीरे से उसे आवाज दी लेकिन इसने कोई जवाब नहीं दिया।

इसके बाद मैं वहाँ से उठकर चला गया।

फिर मैं जाकर रिया और पिया के कमरे में बैठ गया और उनसे बात करने लगा। लेकिन मेरा मन कहीं और ही था मतलब मैं शालू के बारे में ही सोच रहा था।

कुछ देर बाद शालू भी कमरे में आ गई और बात करने लगी। तो मैं सोने का बहाना करने लगा।

करीब दस मिनट बाद मुझे ऐसा लगा कोई मेरे गालों और सीने को सहला रहा था। मैंने आँख खोलकर देखा तो शालू मेरे बगल में लेटी थी और रिया और पिया दोनों कमरे में नहीं थीं।

मैंने बनावटी गुस्से में कहा- क्या है... मुझे परेशान न करो और मुझे सोने दो...!

उसने कहा- मेरा बेबी नाराज है मुझसे..!

मैंने कहा- नहीं मैं अपने आप से नाराज हूँ।

और मुँह फेरकर सो गया ।

शालू ने मेरे बगल में लेट कर मुझे चुम्बन करना चालू कर दिया । कुछ देर बाद मैं भी उसका साथ देने लगा ।

5-10 मिनट चुम्बन करने के बाद मैंने उससे कहा- कोई आ जाएगा ।  
तो उसने बताया कि घर में रिया और पिया के अलावा कोई नहीं है ।

इतना सुनते ही मैंने उसे गोद में उठा लिया और पागलों की तरह उसे चूमने-चाटने लगा ।

अब तक वो भी गर्म होने लगी थी और मेरा भरपूर सहयोग कर रही थी । कुछ देर बाद मैंने उसे बैड पर लिटाया और उसकी कुर्ती ऊपर करके उसकी नाभि को चाटने लगा और स्तनों को ब्रा के ऊपर से ही दबाने लगा । वो जोर-जोर से सिसकारियाँ ले रही थी और मेरा साथ दे रही थी ।

फिर मैं उसकी कुर्ती उतारने लगा । पहले उसने थोड़ा विरोध किया लेकिन मेरे समझाने पर उसने अपने आपको ढीला छोड़ दिया । मैंने समय न गँवाते ही तुरन्त ही उसके ऊपर के सारे कपड़े उतार दिए ।

अब वो अर्धनग्न अवस्था में थी और शर्मा रहीं थी, तो मैंने कहा- मुझसे कैसी शर्म मेरी जान.. !

और इतना कहकर उसको अपने आगोश में भर लिया ।

उसने मेरे गले में हाथ डाला और रोते हुए पूछा- कहीं आप मुझे धोखा तो नहीं दोगे ?

मैंने कहा- क्यों अपने जानू के ऊपर भरोसा नहीं है क्या ?

उसने कहा- मैं अपने से ज्यादा भरोसा आप पर करती हूँ लेकिन डर लगता है ।

मैंने कहा- चिंता न करो, मैं कभी तुम्हें धोखा नहीं दूँगा ।

उसके बाद हम एक-दूसरे में समाने की कोशिश करने लगे ।  
कुछ देर बाद हम दोनों पूरी तरह से निर्वस्त्र थे और एक-दूसरे को उत्तेजित कर रहे थे ।  
फिर मैं उसकी मुनिया (माफ कीजिएगा दोस्तों मैं उससे सच्चा प्यार करता हूँ इसलिए मैं  
गंदे शब्दों का प्रयोग नहीं करूँगा) को चाटने लगा और भगनासा को भी सहलाने लगा ।  
वो मेरे सर को अपनी मुनिया पर कसकर दबाने लगी और जोर-जोर से 'आहें' भरने लगी ।

करीब 5 मिनट उसका रज छूट गया, जिसे मैंने चाट-चाट कर साफ कर दिया । उसके बाद  
हम आपस में चुम्बन करने लगे ।

कुछ देर बाद जब मैं अति-उत्तेजित होने लगा तो मैंने अपना लिंग उसके मुनिया के मुहाने  
पर रखा और उसकी तरफ देखकर कहा- तैयार हो जानू... !

उसने अपना सर 'हाँ' में हिलाया ।

मैंने कहा- थोड़ा दर्द होगा सहन कर लेना ।

तो उसने कहा- ठीक है.. लेकिन धीरे-धीरे करना ।

मैंने 'ठीक है' कहकर लिंग के अग्र भाग को उसकी मुनिया के रेशमी बालों पर घुमाने लगा,  
जिससे वह उत्तेजित हो गई और कहने लगी- जान जल्दी कुछ करो.. !

इतना सुनते ही मैंने हल्का सा धक्का मारा लेकिन मेरा लिंग सरक गया क्योंकि ये हम  
दोनों का पहला सम्भोग था । इसलिए लिंग बार-बार फिसले जा रहा था ।

चार-पाँच बार कोशिश करने के बाद आखिरकार मुझे सफलता मिल गई, लिंग का अग्रभाग  
उसकी मुनिया में फँस गया और उसकी हल्की सी 'आह' निकल गई ।

इसके बाद मैंने थोड़ा जोर का धक्का लगाया तो हम दोनों की चीखें निकल गईं और उसकी  
मुनिया से खून निकलने लगा और मेरे लिंग की चमड़ी फट गई । जिससे हम दोनों को ही  
जलन महसूस हो रही थी, वो मुझसे छूटने की भरपूर कोशिश कर रही थी ।

मैंने उसको पकड़ते हुए एक जोर का धक्का दिया, जिससे वो चीख पड़ी और उसके आँखों से

आँसू निकलने लगे ।

वो चिल्लाने लगी, निकालो बाहर मैं मर जाऊँगी..!

मैंने उसके आँसू को चूमते हुए बोला- बस बेबी शांत हो जाओ जो होना था वो हो गया..

अब बस मजे लो ।

और ताबड़तोड़ धक्के लगाने लगा, थोड़ी देर बाद वो भी कमर हिला-हिला कर मेरा साथ देने लगी । करीब 25-30 धक्कों के बाद मैं स्वलित हो गया ।

मेरे साथ ही उसका भी रज छूट गया, हम दोनों एक-दूसरे के ऊपर लेटे हुए हाँफने लगे ।

करीब दस मिनट बाद वो उठी और मेरे गालों पर चुम्बन करके बोली- आई लव यू एन्ड आई एन्जाए दिस...!

और वो कपड़े पहनने लगी । मैंने भी अपने कपड़े पहने और साथ में कमरे से निकले ।

उससे ठीक से चला भी नहीं जा रहा था तो मैं उसे सहारा देकर बाथरूम में ले गया, जहाँ मैंने उसकी मुनिया को साफ किया और उसकी एक चुम्मी ली और बाहर चला आया ।

घर में अभी तक कोई नहीं आया था । रिया और पिया बुआ के कमरे में सो रही थीं । मैंने राहत की साँस ली और बरामदे में बैठ कर फोन पर गेम खेलने लगा ।

दस मिनट बाद शालू मेरे लिए खाना लेकर आई और हमने साथ ही खाना खाया । उसके बाद मैं उनके घर चार दिन और रुका लेकिन कोई मौका हाथ नहीं लगा, केवल चुम्बन से ही काम चलाना पड़ा ।

जब मैं लौट रहा था तो वो मेरे गले लग कर खूब रोई, मैंने उसे चुप कराया और वापस आने का वादा करके वहाँ से चला आया ।

मैं वापस लखनऊ आ गया और हम रोज फोन पर बातें करते । करीब 6 महीने बाद उसने फोन पर बताया कि उसकी शादी तय हो गई है । मैं उस दिन पहली बार बहुत रोया ।

मैंने उससे भागकर शादी करने के लिए कहा तो उसने मुझे मना कर दिया और बोली- मैं तुमसे एक बार मिलना चाहती हूँ और मैं तुम्हारा इंतजार करूँगी।

करीब साल भर बाद मैं दोस्त की शादी के बाद एक दिन के लिए उसके घर गया। मैं उसे देखते ही पागल हो गया और मेरी आँख से आँसू निकल आए, शायद यही हाल उसका भी था। शाम को जब हम घूमने निकले तो उसने मुझसे रात में बगीचे में मिलने के लिए कहा। मैंने पूछा- क्यों ?

तो उसने हँसकर जवाब दिया- सरप्राईज है।

मैं रात में करीब 12 बजे बगीचे में पहुँचा, चारों ओर अंधेरा और सर्दी की रात में मुझे डर भी लग रहा था। करीब आधे घण्टे बाद वो आई और आते ही मेरे गले लग कर रोने लगी। मैंने उसे चुप कराया और उसे चुम्बन करने लगा। वो भी मेरा साथ देने लगी। कुछ ही देर में हम दोनों पूर्ण रूप से नंगे थे और एक-दूसरे के अंगों को सहला और चूम रहे थे। आज पहली बार बिना कहे वो मेरे लिंग को चूस रही थी। कसम से, बड़ा मजा आ रहा था.. लग रहा था ये पल कभी खत्म ही न हों...!

कुछ देर बाद मैंने अपने लिंग को बाहर निकाला और उसकी मुनिया में घुसा दिया। उसके मुँह से एक 'आह' निकली और वो भी कमर उठा-उठा कर मेरा साथ देने लगी। करीब 30-35 धक्कों के बाद उसका शरीर ऐंठने लगा और रज मेरे लिंग को भिगाता चला गया।

10-15 धक्कों के बाद उसकी मुनिया में मेरा स्खलन हो गया।

ठंड होने के बावजूद हम पसीने से लथपथ हो गए।

5 मिनट बाद उठकर हमने अपने कपड़े पहने और घर की ओर चल दिए।

घर पहुँचने के बाद एक-डेढ़ घण्टे हम लोगों ने बातें की और फिर अपने-अपने कमरे में जाकर सो गए।

अगले दिन सुबह मैं वापस आने लगा, लेकिन उसने मुझसे कोई बात नहीं की और रिया के हाथों मेरे पास एक रुमाल भेजा।

मैंने वो रुमाल ले लिया और सबको नमस्ते करके स्टेशन चला आया, वहाँ से ट्रेन पकड़कर मैं लखनऊ वापस आ गया।

मैंने उसे कई बार फोन किया लेकिन उसने रिसीव नहीं किया।

तीन बाद उसका फोन आया और उसने कहा- तुम मुझे भूल जाओ, मैं तुमसे बहुत दूर जा रही हूँ।

इतना कहकर फोन काट दिया।

मैंने रिटर्न कॉल किया, लेकिन उसने कोई रिस्पान्स नहीं दिया। अगले दिन बुआ का फोन आया उन्होंने मम्मी से बताया कि साँप के काटने से शालू की मौत हो गई।

जब मम्मी ने मुझे बताया तो मैं 'शाकड' हो गया। मैंने उसके फोन पर कॉल किया तो रिया ने फोन उठाया और रोते हुए उसने बताया कि शालू अब नहीं रहीं।

इतना सुनते ही मेरे हाथ से मेरा मोबाईल गिर गया। 3-4 दिन तक मैं एकदम उदास रहा।

आज उसको मरे दो साल हो चुके हैं लेकिन मेरी यादों में वो आज भी जिंदा है। मैं आज भी उसे बहुत मिस करता हूँ।

यह मेरी आपबीती है, इस कहानी के नाम, पात्र और जगह बदले हुए हैं।



